परिशिष्ट

चित्रा मुद्गल का जीवन–वृत्त

10 दिसंबर, 1944 को चेन्नई में जन्मी और मुंबई में शिक्षित चित्रा मुद्गल आधुनिक कथा-साहित्य की बहुचर्चित और सम्मानित रचनाकार हैं। प्रखर चेतना की संवाहिका चित्रा जी के पास अनुभवों का विपुल भंडार है। उन्होंने समाज के विभिन्न समुदायों, विशेषकर दलित-शोषितों के बीच पैंठ कर काम किया है। आंदोलनमुखी संगठनों से इनका गहरा नाता है। यही कारण है कि इनकी मान्यता है कि सामाजिक परिवर्तनों की दिशा में आंदोलनों की निर्णायक भूमिका है।

समकालीन यथार्थ को वह जिस अद्भुत भाषिक संवेदना के साथ अपनी कथा-रचनाओं में परत-दर-परत अनेक अर्थछवियों में अन्वेषित करती हैं, चह चकित कर देने वाला है। अब तक चित्रा मुद्गल के 13 कहानी संग्रह, तीन उपन्यास, तीन बाल उपन्यास, चार बालकथा - संग्रह, पांच संपादित पुस्तकें और दो वैचाकि संकलन प्रकाशित हो चुके हैं।

शिक्षा :

स्नातकोत्तर, एस. एन. डी. टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई।

फाइन आर्ट्स की शिक्षा (जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट्स)।

गुरु सुधा डोरास्वामी से भरतनाट्यम की शिक्षा।

उपलब्धियाँ :

1. मुंबई की नरक सदृश झोपड़पटियों में घरेलु चौका-बर्तन कर जीवनयापन करनेवाली नौकरानियों के बुनियादी अधिकारों की बहाली के लिए काम करनेवाली संस्था ''जागरण'' की सचिव (1965 से 1972 तक) एवं कामगार आघाड़ी (मजदूर सूनियन) की सक्रिय कार्यकर्त्ता।
2. महिलाओं को स्वालवंबन अपनाने के लिए प्रेरित करनेवाली संस्था ''स्याधार'' की सक्रिय कार्यकर्त्ता। (1979 से 1983 तक)
3. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की ''वूमन स्टडीज युनिट'' की कई महत्त्वपूर्ण पुस्तक योजनाओं में (दहेज-दावानल, बेगम हजरत महल, स्त्री समता आदि) बतौर निर्देशक कार्य (1986-90)
4. फिल्म सेंसर बोर्ड की मानद सदस्य।
5. ''आशीर्वाद'' फिल्म्स अवार्ड में बतौर ज्यूरी (1980)

6. महात्मा गांधी प्रतिष्ठान मॉरिशस द्वारा रचनाकार से भेंट कार्यक्रम के लिए आमंत्रित (1990)

7. आकाशवाणी की सर्वभाषा राष्ट्रीय नाट्य स्पर्धा की ज्यूरी सदस्य (1995)

8. वर्तमान में ''समन्वय'' ''स्त्री शक्ति'' एवं ''समता महिला मंच'' की कार्यकर्त्ता एवं अनेक महत्त्वपूर्ण सामाजिक संगठनों से संबद्ध।

9. ''टाइम्स ऑफ इंडिया'' की प्रतिष्ठित फिल्म पत्रिका ''माधुरी'' की लगातार चार वर्षों तक आमुख कथा लेखिका।

10. ''साप्ताहिक हिन्दुस्तान'' ''सूर्या'' महाराष्ट्र टाइम्स (अनुदित) श्री (गुजराती) एवं बाल पराग में चिमू नाम से स्तंभ लेखन।

11. छठे एवं सातवें विश्व हिंदी सम्मेलन की ''सम्मान समिति'' एवं ''शैक्षिक समिति'' की सदस्य।

12. 49 वे राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की जूरी सदस्य (2002) एवं इंडियन पेनोरम 2002 की सदस्य।

13. मौलाना आजाद निबंध प्रतियोगिता (सार्क) की जूरी सदस्य (2000-2002)

14. प्रसार भारती ब्रॉडकॉस्टिंग कारपोरेशन ऑफ इण्डिया की बोर्ड मेंबर (2003-2007)

15. वरिष्ठ फेलोशिप (2000-2002) भारत सरकार, संस्कृति विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय।

सम्मान एवं पुरस्कार :

''प्रेक्षा सम्मान'' (1986) राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना के लिए। ''साहित्यिक कृति पुरस्कार'' इस हमाम में कहानी संकलन के लिए हिंदी अकादमी, दिल्ली द्वारा (1986-87)।

''बाल साहित्य पुरस्कार'' ''जंगल का राज'' बाल कथा संकलन के लिए हिंदी अकादमी दिल्ली द्वारा (1986-87)

''राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह पुरस्कार'' ''ग्यारह-लंबी कहानियाँ कथा संकलन'' के लिए बिहार राजभाषा विभाग द्वारा (1987)

''फणीश्वरनाथ रेणु साहित्य पुरस्कार'' ''एक जमीन अपनी'' उपन्यास के लिए ग्रामीण विकास संगठन, मुंबई द्वारा (1994)

''साहित्यकार सम्मान'' हिंदी अकादमी दिल्ली (1995) सहस्राब्दी का पहला अंतर्राष्ट्रीय इंदु शर्मा कथा सम्मान (यू.के.) उपन्यास ''आवां'' के लिए।

''साहित्य भूषण सम्मान'' उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा (2000)

सामाजिक कार्यों के लिए विदुला सम्मान विकास फाउंडेशन कोलकाता।

कृतियाँ कथा संकलन :

1. जहर ठहरा हुआ (1980) अनन्य प्रकाशन
2. लाक्षागृह (1982) पराग प्रकाशन
3. अपनी वापसी (1983) संभावना प्रकाशन
4. इस हमाम में (1986) प्रभात प्रकाशन
5. ग्यारह लंबी कहानियाँ (1987) प्रभात प्रकाशन
6. जगदंबा बाबू गाँव आ रहे है (1992) नेशनल पब्लिशिंग हाऊस
7. चर्चित कहानियाँ (चुनी हुई (1994)) सामयिक प्रकाशन
8. मामला अगे बढ़ेगा अभी (1995) प्रभात प्रकाशन
9. जिनावर (1996) किताब घर
10. दि हाइना एंड अदर स्टोरिज (1988) ओशन बुक्स (1990) द्वितीय संस्करण प्रा. लि.
11. लपटें (2002) भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन,
    (2003) दूसरा संस्करण, भारतीय ज्ञानपीठ से, (पेपर बैक्स में भी प्रकाशित)
12. केंचुल (2001) प्रभात प्रकाशन
13. भूख (2001) प्रभात प्रकाशन

उपन्यास :

1. एक जमीन अपनी (1990) प्रभात प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन (1999, 2000)
   सामयिक प्रकाशन (2002)
2. माधवी कन्नगी (1993) किताब घर (1995) दूसरा संस्करण
3. आवां (1999) सामयिक प्रकाशन 2001, 2002 चौथा संस्करण शीघ्र प्रकाशन
4. दि क्रूसेड (2002) ओशन बुक्स प्रा. लि.
5. गिलिगडु (2002) सामयिक प्रकाशन

बाल कथा संकलन :

1. जंगल का राज (1980) प्रभात प्रकाशन
2. देश-देश की लोककथाएँ (1986) प्रभात प्रकाशन
3. नीति कथाएँ (1987) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद।
4. सूझ-बूझ (शीघ्र प्रकाश्य) प्रभात प्रकाशन

बाल उपन्यास :

1. मणिमेखलै, साहित्य प्रकाशन (2001)
2. जीवक, साहित्य प्रकाशन (2001)

लेख :

1. तहखानो में बंद आईनों के अक्स (1988) अभिनव प्रकाशन

संपादन :

1. असफल दांपत्य की कहानियाँ (1987) प्रभात प्रकाशन
2. टूटते परिवारों की कहानियाँ (1987) प्रभात प्रकाशन
3. दूसरी औरत की कहानियाँ (1987) प्रभात प्रकाशन
4. भीगी हुई रेत (1988) प्रभात प्रकाशन
5. पुरस्कृत कहानियाँ (1989) संतोष प्रकाशन

फिल्म :

1. दिल्ली दूरदर्शन के लिए टेली फिल्म ''वारिस'' का निर्माण।
2. ''बावजूद इसके'' कहानी पर लखनऊ दूरदर्शन द्वारा टेली फिल्म का निर्माण।
3. ''प्रेत योनी'' कहानी पर ''आबरू'' फीचर फिल्म का निर्माण।
4. ''रूना आ रही है'' मंजू सिंह के कथा धारावाहिक
   ''एक कहानी में।'' ''अभी भी'' मझधार धारावाहिक में
   ''दशरथ का बनवास'' सौदा रिश्ते धारावाहिक में

अनुवाद :

1. गुजराती की श्रेष्ठ व्यंग्य कथाएँ-पराग प्रकाशन।
2. गुजराती, मराठी, अंग्रेजी से कई कहानियों, लेखों का अनुवाद।
3. स्वयं की गुजराती, मराठी, तेलगु, मलयालम, उड़िया, अंग्रेजी एवं चेक भाषा में कहानियाँ प्रकाशित।

संप्रति :

लेखन, स्वतंत्र पत्रकारिता, सामाजिक कार्य।

वर्तमान पता :

चित्रा मुद्गल,

बी-105, वर्धमान अपार्टमेंटस,

मयूर विहार, विस्तार-1, दिल्ली - 110 091

आवास दुरभाष - 2711649, 2711371

पाठ्यक्रमों में रचनाएँ :

1. ''ग्यारह लंबी कहानियाँ'' ओसाका विश्वविद्यालय जापान के हिंदी के पाठ्यक्रम में।
2. ''एक जमीन अपनी'' मोहनलाल सुड़ाडिया वि. वि. उदयपुर एम्. ए. के पाठ्यक्रम में। जुलाई, 2000
3. ''यशवंत राव चव्हाण मुक्त विश्वविद्यालय (महाराष्ट्र) के बी. ए. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम में'' जब तक विमलाएँ है ''वण निरपरक'' में संकलित।
4. लघु कथा ''रिश्ता'' एन.सी.ई.आर.टी. के ग्यारहवी कक्षा की ''हिंदी पाठ्य पुस्तक'' विविधा में संकलित (2002 से)
5. ''अंध शिक्षा केंद्र वरली (मुंबई) द्वारा'' ग्यारह लंबी कहानियाँ का ब्रेल लिपि में ध्वनि रूपांतरण।

□□□

चित्रा मुद्गल, B-105, वर्धमान अपार्टमेन्ट्स, मयूर विहार फेज-1, दिल्ली-91।

15/7/03

प्रिय महादेवी,

आशीष।

तुम 'आवाँ' पर एम.फिल. करना चाहती हो - मुझे परम प्रसन्नता हो रही है। मेरा सहयोग - अपनी बेटी के लिए ही जैसा होगा। मेरी बेटी अब इस दुनिया में नहीं है। मगर बेटी को लेकर सपने अब भी जिन्दा हैं। जो तुम सब में अब उन्हें फलीभूत होते देखना चाहती हूँ।

लन्दन के लिए निकल रही हूँ। तीन रोज बाद लौटूँगी। बहरहाल - तीन लेख (श्रीनिवास जी के दो, बलराम जी का। एक नया लेख बायोडेटा, और 'आवाँ' पर विद्वानों की सम्मति - प्रेषित है। फाइल से. पाँचों सामग्री तुम तत्काल जेरॉक्स करा कर - मूल मुझे भेज दोगी। ताकि अन्य शोध छात्राओं को जरूरत पड़ने पर भेज सकूँ! ओके? उन्हें रचनाएँ भी। इस सामग्री को लौटते ही मैं तुम्हें अपना एक विस्तृत साक्षात्कार

[illegible]